# सेकेंडरी स्कूल टर्म॥ परीक्षा 2022 अंक-योजना / हिंदी (A), कोड- 002 कक्षा- 10 वीं प्रश्न पत्र 3/2/2

### सामान्य निर्देशः

- 1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के लिए भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
- 2. मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। सार्वजनिक रूप से किसी भी तरह इसके लीक होने पर परीक्षा-प्रणाली पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जो लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
- 3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन समग्रता पूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालांकि मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित और नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) प्रश्नों के मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।
- 4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब आप आश्वस्त हो, कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

- 5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (🗸 ) लगाएँ और गलत उत्तर के लिए गलत का ( x )। मूल्यांकन करता द्वारा ऐसा चिहन न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।
- 6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
- 7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
- 8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।
- 9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।
- 10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 40 अंक देने में संकोच न करें।
- 11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अविध में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 30 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
- 12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्निलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं
  - उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
  - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
  - उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
  - उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
  - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
  - योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
  - उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
  - कुल अंकों के योग में अशुद्धि

- उत्तरों पर सही का चिहन () करना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि () ) या (
   x) का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।
- 13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
- 14. उत्तर पुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छिव को और माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
- 15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
- 16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
- 17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

			अंक और
प्रश्न	प्रश्न	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक -
	अनुभाग		विभाजन
		खंड 'क'	
		( पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)	
1	1	प्रश्न – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए :	
	(क)	प्रश्न – 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फ़ादर	
		कामिल बुल्के का अपने शब्दों में रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।	
		उत्तर —	
		• लंबा कद, गोरा रंग, हल्की सफ़ेदी लिए भूरी दाढ़ी, वात्सल्य से भरी	
		नीली आँखें	
		• पादरी के सफ़ेद चोगे से ढका शरीर	
		• ममता और अपनत्व से भरा व्यक्तित्व	
		• मानवीय करुणा, संवेदनशीलता, परोपकार आदि गुणों से ओतप्रोत	
		(कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	( <del></del> )		
	(ख)	प्रश्न — ''फ़ादर कामिल बुल्के को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था'' — लेखक ने ऐसा क्यों कहा?	
		(त्यक न एसा क्या कहा? 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	
		उत्तर —	
		• जिसके हृदय में दूसरों के प्रति स्नेह और अपनत्व की असीम	
		मिठास भरी हो, उसकी जहरबाद जैसे कष्टदायक रोग से मृत्यु उचित	
		नहीं	
		<ul> <li>ईश्वर में आस्था और विश्वास रखने वाले व्यक्ति की इतनी</li> </ul>	
		यातनापूर्ण मृत्यु न्यायसंगत नहीं	2
			_

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत ∕ मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
1	(ग) (घ)	प्रश्न – 'लखनवी अंदाज़' पाठ के लेखक ने सेकंड क्लास के डिब्बे का टिकट क्यों लिया?  उत्तर –  • भीड़ से बचकर एकांत में नयी कहानी के बारे में सोचने के लिए  • खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए  प्रश्न – इच्छा होते हुए भी लेखक और नवाब साहब दोनों के खीरा न खाने का कारण 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए।  उत्तर –	1+1=2
		<ul> <li>लेखक का खीरा न खाने का कारण —</li> <li>पहली बार नवाब साहब का भाव परिवर्तन अच्छा नहीं लगा इसलिए औपचारिकता का निर्वाह करते हुए मना कर दिया। /</li> <li>दूसरी बार अपने आत्मसम्मान की खातिर</li> <li>नवाब साहब द्वारा खीरा न खाने का कारण —</li> <li>नवाबी ठाठ-बाट के दिखावे के कारण /</li> <li>लेखक की उपस्थिति में खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच के कारण /</li> <li>अपने झूठे नवाबी अहं के कारण</li> </ul>	1+1=2
2	2	प्रश्न — निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :	
	(क)	प्रश्न – पिता द्वारा भोलानाथ को खाना खिलाने के बाद भी उसकी माँ उसे खाना खिलाती थी, क्यों? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए।	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत ∕ मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		<ul> <li>उत्तर –</li> <li>ममत्व की भावना – माँ का बच्चे के प्रति अगाध एवं निश्छल प्रेम माँ के विचार से –</li> <li>पुरुष बच्चों को भरपेट खाना खिलाना नहीं जानते।</li> <li>पिता के हाथों छोटे-छोटे कौर खाकर ही बच्चे में पेट भर जाने का भाव / अधिक खा लेने का भाव आ जाता है।</li> <li>माँ के हाथों का खाना खाकर ही बच्चों का पेट भरता है, उनका मन तृप्त हो जाता है।</li> <li>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)</li> </ul>	3
2	(ख)	प्रश्न – ''हम सभी निदयों और पर्वतों के ऋणी हैं'' – कैसे? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।  उत्तर –  • पर्वत और निदयाँ दोनों ही जल-आपूर्ति के महत्त्वपूर्ण स्रोत  • अनेक आर्थिक एवं आध्यात्मिक गितविधियों का केंद्र बिंदु  • मौसम चक्र एवं मानसून के लिए महत्त्वपूर्ण  • प्राकृतिक सौंदर्य, वनस्पितयों एवं फूलों के भंडार  • पशु-पिक्षयों के लिए प्राकृतिक आवास	3
	(刊)	प्रश्न — 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि रानी एलिजाबेथ द्वितीय के भारत आगमन से पूर्व अधिकारियों को क्या चिंता हुई। देश की नाक बचाने के लिए कौन-सी जी-तोड़ कोशिशों की गई? उत्तर — <u>अधिकारियों की चिंता</u> — • जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर नाक न होने के कारण रानी के सामने देश	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
3	3 ( <b>क</b> )	के अपमान की चिंता ;      देश की नाक बचाने के लिए कोशिशें —      बड़े अधिकारियों की बैठक, मूर्तिकार बुलाकर नई नाक लगाने का आदेश      नाक का विवरण ढूँढ़ने के लिए पुरानी फ़ाइलों की छानबीन      मूर्तिकार द्वारा देश के सभी पहाड़-पत्थर की खानों का दौरा      महापुरुषों / स्वतंत्रता सेनानियों और बाल-शहीदों की मूर्तियों से नाक उतार कर लगाने की योजना और इसके लिए मूर्तिकार द्वारा पूरे देश का दौरा      अंतत: किसी जीवित व्यक्ति की नाक लगाने का निश्चय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)  प्रश्न — निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए :  प्रश्न — 'उत्साह' किवता के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।  उत्तर —      आह्वान गीत / उद्बोधन गीत      सामाजिक बदलाव की आकांक्षा      बादलों के माध्यम से युवाओं का आह्वान      नवजीवन एवं उत्साह का संचार      तत्सम प्रधान खड़ी बोली हिंदी।      वीर रस      ओज गुण      नाद-सौंदर्य / लयात्मकता / गेयता	1+2=3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत ∕ मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
3	(ख)	<ul> <li>मुक्त छंद</li> <li>बादलों का प्रतीकात्मक प्रयोग / बादल उल्लास एवं क्रांति के प्रतीक</li> <li>अनुप्रास, उपमा, पुनरुक्तिप्रकाश एवं मानवीकरण अलंकार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)</li> <li>प्रश्न – 'निराला' ने 'उत्साह' किवता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के क्या संदेश दिए हैं? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।</li> </ul>	1+1=2
	(ग)	<ul> <li>उत्तर —</li> <li>समाज में क्रांति एवं बदलाव का</li> <li>शोषित एवं पीड़ित लोगों को शोषण से मुक्ति का</li> <li>नवीन विचारों एवं नवचेतना के संचार का</li> <li>कुरीतियों को उखाड़ फेंकने का (कोई दो बिंदु अपेक्षित)</li> <li>प्रशन — 'कन्यादान' कविता में शाब्दिक भ्रम किसे और क्यों कहा गया है?</li> <li>उत्तर —</li> </ul>	1+1=2
	(ঘ)	<ul> <li>वस्त्रों और आभूषणों को;</li> <li>वस्त्रों और आभूषणों का लालच स्त्रियों के लिए छलावा और बंधन / वस्त्र, आभूषण आदि बाहरी सौंदर्य के प्रतिमान, स्त्री के आंतरिक गुणों के विकास में इनकी कोई भूमिका नहीं / सौंदर्य के ऐसे प्रतिमान स्त्री के स्वतंत्र व्यक्तित्व के विकास में बाधक।</li> <li>प्रश्न – वर्तमान में 'कन्यादान' जैसी परंपरा के औचित्य-अनौचित्य पर अपने तर्कसंगत विचार लिखिए।</li> </ul>	1+1=2

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		<ul> <li>उत्तर - (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)</li> <li>उदाहरणार्थ -</li> <li>गारंपरिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व / प्राचीन काल से चली आ रही प्रथा</li> <li>कन्या को श्रेष्ठ धन मानते हुए, उसे उपयुक्त पात्र को दान देने का भाव</li> <li>अनौचित्य -</li> <li>पुत्री कोई वस्तु नहीं, जिसका दान किया जाए।</li> <li>स्त्री को वस्तु / संपत्ति के रूप में स्थापित करती प्रथा</li> <li>मानवीय दृष्टि से भी यह परंपरा सर्वथा अनुचित।</li> <li>लड़िकयों के मन पर इसका नकारात्मक प्रभाव, हीनता-बोध</li> <li>खंड 'ख'</li> <li>(रचनात्मक लेखन)</li> </ul>	2
4	(क)(a)	महिलाओं की सहायता हेतु स्थापित संस्था - 'सहयोगिनी' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा	
	(b)	सोलर कूकर बनाने वाली कंपनी 'रविरिष्टम' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।	
	(ख)(a)	'नेत्रदान' के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

	प्रश्न		अंक और
प्रश्न	अनुभाग अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक -
	313.11.1		विभाजन
		2707-77	
	(b)	अथवा योग प्रशिक्षण केन्द्र 'आरोग्य' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। उत्तर — विज्ञापन-लेखन • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक	
		• विषयवस्तु = 1 अंक	
		<ul> <li>भाषा शुद्धता = ½ अंक = ½ अंक</li> <li>विशेष निर्देश :—</li> <li>विज्ञापन लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटा जाए।</li> <li>भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम आधा अंक काटा जा सकता है।</li> <li>सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।</li> </ul>	21/2+21/2=5
5	(क)(a)	आपकी बहन का चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) में हो गया है। उनके लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए। अथवा	
	(b)	मित्र / सुखी को नृत्य प्रतियोगिता में सफल होने तथा प्रथम स्थान पाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक शुभकाना संदेश लिखिए।	
	(ख)(a)	अपने मित्र को 'लोहड़ी' पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	(b)	अथवा  'बाल दिवस' के सफल आयोजन के लिए छात्रों को प्राचार्य की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।  उत्तर —  संदेश-लेखन  • प्रारूप = ½ अंक  • विषयवस्तु = 1½ अंक  • भाषा शुद्धता = ½ अंक  • भाषा शुद्धता = ½ अंक  विशेष निर्देश —  • संदेश लेखन का कोई निश्चित प्रारूप नहीं है फिर भी प्रश्नानुकूल उपयुक्त प्रारूप को आवश्यक माना जाए।  एक सामान्य प्रारूप के भीतर लेखन को ही संदेश माना जाए।  • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।  • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम आधा अंक काटा जा सकता है।  • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	2½+2½=5
6	6	प्रश्न — निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :	
	(क)	पर्यावरण संरक्षण : समय की माँग  • मानव और पर्यावरण में अटूट सबंध	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

			अंक और
प्रश्न	प्रश्न	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक -
	अनुभाग		विभाजन
			19माजन
		• संरक्षण की आवश्यकता क्यों?	
		<ul> <li>संरक्षण की योजनाओं का प्रभाव</li> </ul>	
		• सुझाव	
	(ख)	एक भारत, श्रेष्ठ भारत	
	( )	• योजना का प्रारंभ कब?	
		• ऐसी योजनाओं की आवश्यकता क्यों?	
		• विद्यालयों में इसे कार्य रूप में कैसे लाया गया?	
		• प्रभाव	
		- A-11-1	
	(ग)	ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति	
	(1)	<ul> <li>वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता</li> </ul>	
		<ul> <li>सकारात्मक प्रभाव</li> </ul>	
		<ul><li>स्कारात्मक प्रमाप</li><li>किमयाँ</li></ul>	
		• सुझाव	
		<u>उत्तर</u> –	
		अनुच्छेद-लेखन	
		• भूमिका + निष्कर्ष = 1 अंक	
		• विषयवस्तु = 3 अंक	
		• भाषा शुद्धता = 1 अंक	5
		विशेष निर्देश :-	
		• दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु	
		लेखन, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ।	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		<ul> <li>भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।</li> <li>सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।</li> <li>प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।</li> </ul>	
7	(a)	आपके मित्र को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग गई है। इससे होने वाली हानियों से सावधान करते हुए उसे लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। अथवा	
	(b)	अपने क्षेत्र की महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।	
		<ul> <li>उत्तर –</li> <li>पत्र-लेखन</li> <li>प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक</li> <li>विषयवस्तु = 3 अंक</li> <li>भाषा शुद्धता = 1 अंक</li> </ul>	5
		विशेष निर्देश:—  • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ।  • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए)  • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		पर अंक न काटे जाएँ।  • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।  • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	